पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स- (दर्शन)
प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष
के कुछ सामान्य नियम

- परीक्षा में 50% अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ही उत्तीर्ण माना जायेगा।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम तीन वर्ष का होगा।
- प्रत्येक वर्ष 2 सत्र (Semester) में, 2 बार परीक्षाएं होंगी।
- प्रत्येक परीक्षा में पाँच प्रश्नपत्र होंगे।
- दो प्रश्नपत्र दर्शनों से सम्बन्धित, तृतीय संस्कृत तथा चतुर्थ पत्र हिन्दी व पाँचवा अंग्रेजी भाषा का होगा।
- सभी पेपर 100-100 अंक के होंगे।
- कुल अंक एक वर्ष में 1000 तथा तीनों वर्ष के मिलाकर - 3000 अंक होंगे।
- परीक्षा का माध्यम English Paper को छोड़कर शेष सभी पत्रों में हिन्दी या संस्कृत होगा।
- प्रत्येक परीक्षा का निर्धारित समय 3 घण्टे होगा।

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) प्रथम वर्ष

प्रश्नपत्र	Semester -I	Semester -II	कुल अंक
प्रश्नपत्र- (1) (दर्शन)	सम्पूर्ण योगदर्शन (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ**- सदाशिवेन्द्रवृत्ति एवं योगदर्शन- स्वामीरामदेव जी	सम्पूर्ण सांख्यकारिका (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, कारिकार्थ एवं विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ**- सांख्यकारिका (श्रीमदीश्वरकृष्णविरचिता)	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (2) (दर्शन)	सांख्य दर्शन-(1-3 अध्याय)- (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं विषय परिचय)- **सन्दर्भग्रन्थ** - आचार्य आनन्दप्रकाश जी, विद्योदयभाष्य सहित सांख्यदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री जी)	सांख्यदर्शन (4-6 अध्याय) (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ** -दर्शनप्रवेश- आचार्य आनन्दप्रकाश जी, विद्योदय भाष्य सहित सांख्यदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री जी)	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (3) (संस्कृत)	साहित्य (50+50=100) बुद्धचरितम्- 1-4 सर्ग व्याकरण - वर्णोच्चारण शिक्षासूत्राणि, संज्ञा प्रकरणम्, सन्धि प्रकरणम्, 15 शब्दरूप व 15 धातुरूप अनुवाद, अलंकार प्रदीप (विश्वेश्वर सूरी) **सन्दर्भग्रन्थ**- व्याकरण प्रवेश- प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी व रचनानुवाद कौमुदी	साहित्य (50+50=100) बुद्धचरितम्- 5-8 सर्ग व्याकरण - सामासिक, नामिक, अनुवाद, 15 शब्दरूप, 15 धातुरूप अनुवाद, अलंकारप्रदीप (विश्वेश्वरसूरि) **सन्दर्भग्रन्थ**- व्याकरणप्रवेश- प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी व रचनानुवादकौमुदी	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (4) (हिन्दी)	**इकाई-1** हिन्दी भाषा ● हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय ● हिन्दी की विभिन्न बोलियों का सामान्य परिचय। ● खड़ी बोली का स्वरूप व क्षेत्र का संक्षिप्त परिचय **इकाई-2** आदिकाल ● काल-विभाजन एवं नामकरण ● आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ **इकाई-3** मध्यकाल ● भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास ● भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ● रीतिकाल : नामकरण ● रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ **इकाई-4** मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध- संक्रमण की परिस्थितियाँ ● आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ● उपन्यास, कहानी, नाटक, निबध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप। **सहायक ग्रन्थ-** 1. हिन्दी भाषा- धीरेन्द्र वर्मा 2. हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी 3. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल 4. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र 5. आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएं - अनिल राय	1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप। 2. हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय सम्बन्धी। 3. हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन। 4. स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त। 5. व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्प्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष। 6. वर्णो का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्त्योष्ठ्य वर्ण। 7. बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि। 8. भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन। 9. हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य वाक्य भेद, वाक्य का रूपान्तर। 10. भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन। **सहायक ग्रन्थ-** 1. सामान्य हिन्दी - डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना 2. अपनी हिन्दी सुधारें - डॉ० विजय अग्रवाल 3. व्यवहारिक हिन्दी - डॉ० महेन्द्र मित्तल 4. अच्छी हिन्दी - डॉ० रामकुमार वर्मा	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (5) (अंग्रेजी)			

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र	Semester -III	Semester -IV	कुल
अंक **प्रश्नपत्र- (1)** **(दर्शन)**	न्यायदर्शन (प्रथम व द्वितीय अध्याय) (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ** - विद्योदयभाष्य सहित न्यायदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री जी)	न्यायदर्शन- तृतीय, चतुर्थ एवं पञ्चम अध्याय- (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ** - विद्योदयभाष्य सहित न्यायदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री जी)	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (2) **(दर्शन)**	वैशेषिक दर्शन-(1-5 अध्याय)- (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ**- वैशेषिक दर्शन- आचार्य उदयवीर शास्त्री।	वैशेषिक दर्शन-(6-10 अध्याय)- (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ**-वैशेषिक दर्शन- आचार्य आनन्दप्रकाश जी	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (3) **(संस्कृत)**	साहित्य (50+50=100) बुद्धचरितम्- 9-12 सर्ग मुद्राराक्षसम् - प्रथम अंक व्याकरण - कारकीय, सभी गणों से 20 धातुरूप, 20 शब्दरूप रचनानुवादकौमुदी (1-30 अध्याय) **सन्दर्भग्रन्थ** - कारकीय, रचनानुवादकौमुदी।	साहित्य (50+50=100) बुद्धचरितम्- 13-14 सर्ग, मुद्राराक्षसम् - द्वितीय अंक व्याकरण - छन्द परिचय, अलंकारप्रदीप, रचनानुवाद कौमुदी (31-60 अध्याय) 20 धातुरूप **सन्दर्भग्रन्थ** - कारकीय, रचनानुवाद कौमुदी।	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (4) **(हिन्दी)**	**पाठ्य पुस्तक- 1. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता, सम्पादक- डॉ० सुरेन्द्र कुमार** **2. आधुनिक हिन्दी कविता सम्पादक- डॉ० सुरेन्द्र कुमार** **निर्धारित कवि-** कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी, मैथिलीशरण गुप्त। **इकाई-1** कबीर- कबीर की साहित्यिक रचनाएँ एवं उनकी साहित्यिक विशेषताएँ, कबीर का समाज-दर्शन, भक्ति भावना, कबीर की भाषा। **इकाई-2** सूरदास- साहित्यिक रचनाएँ एवं उनकी साहित्यिक विशेषताएँ, सूर का वात्सल्य वर्णन,श्रृंगार वर्णन- संयोग एवं वियोग, सूर का भ्रमर गीत, सूर की भक्ति भावना, काव्य कला। **इकाई-3** तुलसीदास- साहित्यिक रचनाएँ एवं उनकी साहित्यिक विशेषताएँ, तुलसी की भक्तिभावना, तुलसी का समन्वय, तुलसी का लोक मंगल, काव्य कला। **इकाई-4** जयशंकर प्रसाद- साहित्यिक परिचय, छायावाद के प्रवर्तक, काव्य कला सौन्दर्य चेतना। **इकाई-5** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'- साहित्यिक परिचय, वैविध्य के कवि, काव्यगत विशेषताएं, प्रगतिशील चेतना और निराला। **इकाई-6** मैथिलीशरण गुप्त- साहित्यिक परिचय, राष्ट्रीयता, साहित्यिक विशेषताएं। **सहायक ग्रन्थ-** 1. कबीर मीमांसा - डॉ० रामचन्द्र तिवारी, कबीर एक नयी दृष्टि- डॉ० रघुवंश, कबीर-हजारीप्रसाद द्विवेदी, सूरदास- डॉ० हरवंश लाल शर्मा, सूर की सांस्कृतिक चेतना और उनका युगबोध- डॉ० सन्तराम वैश्य।	**इकाई-1 :** हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय **इकाई-2 :** प्रेमचंद (गोदान), प्रसाद (पुरस्कार), मोहन राकेश (मलबे का मालिक), मनु भंडारी (मैं हार गई) **इकाई-3 :** बालकृष्ण भट्ट (साहित्य जन-समूह के हृदय का विकास है), आचार्य रामचंद्र शुक्ल (उत्साह), हजारी प्रसाद द्विवेदी (नाखून क्यों बढ़ते हैं), विद्यानिवास मिश्र (मेरे राम का मुकुट भीग रहा है) **इकाई-4 :** भारतेंदु हरिश्चंद्र (अंधेर नगरी), महादेवी वर्मा (घीसा), हरिशंकर परसाई (भोलाराम का जीव) **सहायक ग्रन्थ-** 1. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी 2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-बच्चन सिंह 3. निबंधों की दुनिया- विजयदेव नारायण साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा 4. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 5. हिन्दी रेखाचित्र - हरवंश लाल शर्मा 6. निबंधों की दुनिया - शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन / अनिल राय।	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (5) **(अंग्रेजी)**			

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) तृतीय वर्ष

प्रश्नपत्र	Semester -V	Semester -VI	कुल अंक
प्रश्नपत्र- (1) (दर्शन)	वेदान्तदर्शन (प्रथम व द्वितीय अध्याय) (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ** - वैदिक मुनि भाष्य	वेदान्तदर्शन (तृतीय व चतुर्थ अध्याय) (70+30=100) (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ** - वैदिक मुनि भाष्य	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (2) (दर्शन)	मीमांसा दर्शन- (70+30=100) चतुस्सूत्री + 46 सूत्र, (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ** -मीमांसा दर्शन	मीमांसा दर्शन- (70+30=100) प्रथम व द्वितीय अध्याय, (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय) **सन्दर्भग्रन्थ** -मीमांसा दर्शन	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (3) (संस्कृत)	साहित्य (70+30=100) शुकनासोपदेश मुद्राराक्षसम्- तृतीय अंक व्याकरण- प्रत्यय निरूपणम्, संक्षिप्त धातुकोष, पत्र लेखन, निबन्ध माला। **सन्दर्भग्रन्थ** - रचनानुवाद कौमुदी।	साहित्य (70+30=100) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) मुद्राराक्षसम्- चतुर्थ अंक सौन्दरनन्दम्- प्रथम, द्वितीय सर्ग व्याकरण- अनुवाद **सन्दर्भग्रन्थ** - रचनानुवाद कौमुदी।	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (4) (हिन्दी)	**इकाई-1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा** विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा। विज्ञापन का महत्त्व। विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण विज्ञापन के नए संदर्भ, प्रायोजित कार्यक्रम। **इकाई-2 : विज्ञापनः विविध माध्यम** सामान्य परिचय। विज्ञापन माध्यम का चयन। प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन। **इकाई-3 : विज्ञापन की भाषा** विज्ञापन की भाषा का स्वरूप। विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ। विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष- सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषासंकर, हिन्दी विज्ञापनों की भाषा। **इकाई-4 : विज्ञापन-निर्माण का अभ्यास** प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण। रेडियो जिंगल लेखन। टेलीविजन के स्टोरी बोर्ड निर्माण। **सहायक ग्रन्थ-** 1. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ 2. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य- सुधीश पचौरी 3. डिजिटल युग में विज्ञापन- सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी।	**इकाई-1 : कम्प्यूटर का विकास और हिन्दी** कम्प्यूटर का परिचय और विकास। कम्प्यूटर में हिन्दी का आरम्भ एवं विकास। हिन्दी के विविध फॉन्ट। कम्प्यूटर में हिन्दी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ **इकाई-2 : हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी** इंटरनेट पर हिन्दी। यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा। हिन्दी और वेब डिजाइनिंग। हिन्दी की वेबसाइट्स। **इकाई-3 : हिन्दी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस** राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका। ई-गवर्नेंस, इंटरनेट। एस.एम.एस. (लघुसंदेश सेवा) की हिन्दी। न्यू मीडिया और हिन्दी भाषा। हिन्दी के विभिन्न की-बोर्ड। **सहायक ग्रन्थ-** 1. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मलहोत्रा। 2. कम्प्यूटर और हिन्दी - हरिमोहन। 3. ऑनलाइन मीडिया - श्री सुरेशकुमार (आजतक के उपसम्पादक) 4. इन्टरनेट पत्रकारिता - श्री सुरेशकुमार।	100+100 = **200**
प्रश्नपत्र- (5) (अंग्रेजी)			

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) प्रथम वर्ष

Semester -I

प्रश्नपत्र- (1) (दर्शन)

सम्पूर्ण योगदर्शन (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - सदाशिवेन्द्रवृत्ति एवं योगदर्शन- स्वामीरामदेव जी

प्रश्नपत्र- (2) (दर्शन)

सांख्य दर्शन-(1-3 अध्याय) (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - आचार्य आनन्दप्रकाश जी, विद्योदयभाष्य सहित सांख्यदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री जी)

प्रश्नपत्र- (3) (संस्कृत)

साहित्य (50+50=100)

बुद्धचरितम्- 1-4 सर्ग

व्याकरण - वर्णोच्चारण शिक्षासूत्राणि, संज्ञा प्रकरणम्, सन्धि प्रकरणम्, 15 शब्दरूप व 15 धातुरूप अनुवाद, अलंकार प्रदीप (विश्वेश्वर सूरी)

सन्दर्भग्रन्थ- व्याकरण प्रवेश- प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी व रचनानुवाद कौमुदी

प्रश्नपत्र- (4) (हिन्दी) (100)

इकाई-1 हिन्दी भाषा

- हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय
- हिन्दी की विभिन्न बोलियों का सामान्य परिचय।
- खड़ी बोली का स्वरूप व क्षेत्र का संक्षिप्त परिचय

इकाई-2 आदिकाल

- काल-विभाजन एवं नामकरण
- आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-3 मध्यकाल

- भक्ति आंदोलन : उद्‌भव और विकास
- भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- रीतिकाल : नामकरण
- रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-4 मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध- संक्रमण की परिस्थितियाँ

- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप।

सहायक ग्रन्थ-

1. हिन्दी भाषा- धीरेन्द्र वर्मा
2. हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
5. आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएं - अनिल राय

प्रश्नपत्र- (5) (अंग्रेजी)

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) प्रथम वर्ष

Semester -II

प्रश्नपत्र- (1) (दर्शन)

सम्पूर्ण सांख्यकारिका (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, कारिकार्थ एवं विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - सांख्यकारिका (श्रीमदीश्वरकृष्णविरचिता)

प्रश्नपत्र- (2) (दर्शन)

सांख्यदर्शन (4-6 अध्याय) (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ -दर्शनप्रवेश- आचार्य आनन्दप्रकाश जी, विद्योदय भाष्य सहित सांख्यदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री जी)

प्रश्नपत्र- (3) (संस्कृत)

साहित्य (50+50=100)

बुद्धचरितम्- 5-8 सर्ग

व्याकरण - सामासिक, नामिक, अनुवाद, 15 शब्दरूप, 15 धातुरूप

अनुवाद, अलंकारप्रदीप (विश्वेश्वरसूरि)

सन्दर्भग्रन्थ- व्याकरणप्रवेश- प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी व रचनानुवादकौमुदी

प्रश्नपत्र- (4) (हिन्दी) (100)

1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप।
2. हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय सम्बन्धी।
3. हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
4. स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
5. व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्प्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
6. वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्त्योष्ठ्य वर्ण।
7. बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।
8. भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
9. हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्यभेद, वाक्य का रूपान्तर।
10. भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

सहायक ग्रन्थ-

1. सामान्य हिन्दी - डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. अपनी हिन्दी सुधारें - डॉ० विजय अग्रवाल
3. व्यवहारिक हिन्दी - डॉ० महेन्द्र मित्तल
4. अच्छी हिन्दी - डॉ० रामकुमार वर्मा

प्रश्नपत्र- (5) (अंग्रेजी)

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) द्वितीय वर्ष

Semester -III

प्रश्नपत्र- (1) (दर्शन)

न्यायदर्शन (प्रथम व द्वितीय अध्याय) (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - विद्योदय भाष्य सहित न्यायदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री जी)

प्रश्नपत्र- (2) (दर्शन)

वैशेषिक दर्शन-(1-5 अध्याय) (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - वैशेषिक दर्शन - आचार्य उदयवीर शास्त्री।

प्रश्नपत्र- (3) (संस्कृत)

साहित्य (50+50=100)

बुद्धचरितम्- 9-12 सर्ग

मुद्राराक्षसम् - प्रथम अंक

व्याकरण - कारकीय, सभी गणों से 20 धातुरूप, 20 शब्दरूप

रचनानुवाद कौमुदी (1-30 अध्याय)

सन्दर्भग्रन्थ - कारकीय, रचनानुवादकौमुदी।

प्रश्नपत्र- (4) (हिन्दी) (100)

पाठ्य पुस्तक- 1. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता, सम्पादक- डॉ० सुरेन्द्र कुमार

2. आधुनिक हिन्दी कविता सम्पादक- डॉ० सुरेन्द्र कुमार

निर्धारित कवि– कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी, मैथिलीशरण गुप्त।

इकाई-1 कबीर- कबीर की साहित्यिक रचनाएँ एवं उनकी साहित्यिक विशेषताएँ, कबीर का समाज-दर्शन, भक्ति भावना, कबीर की भाषा।

इकाई-2 सूरदास- साहित्यिक रचनाएँ एवं उनकी साहित्यिक विशेषताएँ, सूर का वात्सल्य वर्णन,श्रृंगार वर्णन- संयोग एवं वियोग, सूर का भ्रमर गीत, सूर की भक्ति भावना, काव्य कला।

इकाई-3 तुलसीदास- साहित्यिक रचनाएँ एवं उनकी साहित्यिक विशेषताएँ, तुलसी की भक्तिभावना, तुलसी का समन्वय, तुलसी का लोक मंगल, काव्य कला।

इकाई-4 जयशंकर प्रसाद- साहित्यिक परिचय, छायावाद के प्रवर्तक, काव्य कला सौन्दर्य चेतना।

इकाई-5 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'- साहित्यिक परिचय, वैविध्य के कवि, काव्यगत विशेषताएं, प्रगतिशील चेतना और निराला।

इकाई-6 मैथिलीशरण गुप्त- साहित्यिक परिचय, राष्ट्रीयता, साहित्यिक विशेषताएं।

सहायक ग्रन्थ- 1. कबीर मीमांसा - डॉ० रामचन्द्र तिवारी, कबीर एक नयी दृष्टि- डॉ० रघुवंश, कबीर-हजारीप्रसाद द्विवेदी, सूरदास- डॉ० हरवंश लाल शर्मा, सूर की सांस्कृतिक चेतना और उनका युगबोध- डॉ० सन्तराम वैश्य।

प्रश्नपत्र- (5) (अंग्रेजी)

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) द्वितीय वर्ष

Semester -IV

प्रश्नपत्र- (1) (दर्शन)

न्यायदर्शन- तृतीय, चतुर्थ एवं पञ्चम अध्याय- (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - विद्योदयभाष्य सहित न्यायदर्शन (आचार्य आनन्दप्रकाश जी)

प्रश्नपत्र- (2) (दर्शन)

वैशेषिक दर्शन-(6-10 अध्याय)- (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - वैशेषिक दर्शन - आचार्य उदयवीर शास्त्री।

प्रश्नपत्र- (3) (संस्कृत)

साहित्य (50+50=100)

बुद्धचरितम्- 13-14 सर्ग,

मुद्राराक्षसम् - द्वितीय अंक

व्याकरण - छन्द परिचय, अलंकारप्रदीप, रचनानुवाद कौमुदी (31-60 अध्याय) 20 धातुरूप

सन्दर्भग्रन्थ - कारकीय, रचनानुवाद कौमुदी।

प्रश्नपत्र- (4) (हिन्दी) (100)

इकाई-1 : हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

इकाई-2 : प्रेमचंद (गोदान), प्रसाद (पुरस्कार), मोहन राकेश (मलबे का मालिक), मनु भंडारी (मैं हार गई)

इकाई-3 : बालकृष्ण भट्ट (साहित्य जन-समूह के हृदय का विकास है), आचार्य रामचंद्र शुक्ल (उत्साह), हजारी प्रसाद द्विवेदी (नाखून क्यों बढ़ते हैं), विद्यानिवास मिश्र (मेरे राम का मुकुट भीग रहा है)

इकाई-4 : भारतेंदु हरिश्चंद्र (अंधेर नगरी), महादेवी वर्मा (घीसा), हरिशंकर परसाई (भोलाराम का जीव)

सहायक ग्रन्थ-

1. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-बच्चन सिंह
3. निबंधों की दुनिया- विजयदेव नारायण साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा
4. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. हिन्दी रेखाचित्र - हरवंश लाल शर्मा
6. निबंधों की दुनिया - शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय।

प्रश्नपत्र- (5) (अंग्रेजी)

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) तृतीय वर्ष

Semester -V

प्रश्नपत्र- (1) (दर्शन)

वेदान्तदर्शन (प्रथम व द्वितीय अध्याय) (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - वैदिक मुनिभाष्य

प्रश्नपत्र- (2) (दर्शन)

मीमांसा दर्शन- (70+30=100)

चतुस्सूत्री + 46 सूत्र, (कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ -मीमांसा दर्शन

प्रश्नपत्र- (3) (संस्कृत)

साहित्य (70+30=100)

शुकनासोपदेश

मुद्राराक्षसम्- तृतीय अंक

व्याकरण- प्रत्यय निरूपणम्, संक्षिप्त धातुकोष, पत्रलेखन, निबन्ध माला।

सन्दर्भग्रन्थ - रचनानुवाद कौमुदी।

प्रश्नपत्र- (4) (हिन्दी) (100)

इकाई-1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा। विज्ञापन का महत्त्व। विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण विज्ञापन के नए संदर्भ, प्रायोजित कार्यक्रम।

इकाई-2 : विज्ञापनः विविध माध्यम

सामान्य परिचय। विज्ञापन माध्यम का चयन। प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन।

इकाई-3 : विज्ञापन की भाषा

विज्ञापन की भाषा का स्वरूप। विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ। विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष- सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषासंकर, हिन्दी विज्ञापनों की भाषा।

इकाई-4 : विज्ञापन-निर्माण का अभ्यास

प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण। रेडियो जिंगल लेखन। टेलीविजन के स्टोरी बोर्ड निर्माण।

सहायक ग्रन्थ-

1. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ
2. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य- सुधीश पचौरी
3. डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी।

प्रश्नपत्र- (5) (अंग्रेजी)

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - B.A. /ऑनर्स (दर्शन) तृतीय वर्ष

Semester -VI

प्रश्नपत्र- (1) (दर्शन)

वेदान्तदर्शन (तृतीय व चतुर्थ अध्याय) (70+30=100)

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ - वैदिक मुनि भाष्य

प्रश्नपत्र- (2) (दर्शन)

मीमांसा दर्शन- (70+30=100)

प्रथम व द्वितीय अध्याय,

(कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं अध्यायगत विषय परिचय)

सन्दर्भग्रन्थ -मीमांसा दर्शन

प्रश्नपत्र- (3) (संस्कृत)

साहित्य (70+30=100)

रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)

मुद्राराक्षसम्- चतुर्थ अंक

सौन्दरनन्दम्- प्रथम, द्वितीय सर्ग

व्याकरण- अनुवाद

सन्दर्भग्रन्थ - रचनानुवाद कौमुदी।

प्रश्नपत्र- (4) (हिन्दी) (100)

इकाई-1 : कम्प्यूटर का विकास और हिन्दी

कम्प्यूटर का परिचय और विकास। कम्प्यूटर में हिन्दी का आरम्भ एवं विकास। हिन्दी के विविध फॉन्ट। कम्प्यूटर में हिन्दी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ।

इकाई-2 : हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी

इंटरनेट पर हिन्दी।

यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा।

हिन्दी और वेब डिजाइनिंग।

हिन्दी की वेबसाइट्स।

इकाई-3 : हिन्दी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस

राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका।

ई-गवर्नेंस, इंटरनेट।

एस.एम.एस.(लघुसंदेश सेवा) की हिन्दी।

न्यू मीडिया और हिन्दी भाषा।

हिन्दी के विभिन्न की-बोर्ड।

सहायक ग्रन्थ-

1. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा।
2. कम्प्यूटर और हिन्दी - हरिमोहन।
3. ऑनलाइन मीडिया - श्री सुरेशकुमार (आजतक के उपसम्पादक)
4. इन्टरनेट पत्रकारिता - श्री सुरेशकुमार (आजतक के उपसम्पादक)

प्रश्नपत्र- (5) (अंग्रेजी)